एक नजर

एनटीपीसी टांडा में राष्ट्रीय एकता दिवस पर हुए विविध कार्यक्रम

अम्बेडकरनगर। राष्ट्रीय एकता दिवस एवं ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के अवसर पर एनटीपीसी टांडा में मिशन लाइफ के तहत स्वास्थ्य फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें वरिष्ठ प्रबंधन कर्मचारियों उनके परिवारजनों औरगरिमा महिला मंडल की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत आरोग्यम अस्पताल में सतर्कता शपथ के साथ हुई। इसके बाद परियोजना प्रमुख एनटीपीसी टांडा राजीव कुमार सिन्हा ने वॉकाथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आरोग्यम अस्पताल से न्यू सप्तरंग क्लब तक आयोजित वॉकाथॉन में लोगों ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लेकर स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया।इसके बाद एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सामूहिक पौधरोपण किया गया। न्यू सप्तरंग क्लब में जुंबा सत्र भी आयोजित हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। परियोजना प्रमुख राजीव कुमार सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता की भावना सामूहिक प्रयासों से राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करती है। स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण को अपनाना सभी की जिम्मेदारी है। आयोजन के माध्यम से लोगों को स्वस्थ आदतें अपनाने और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने का संदेश दिया गया।

दून एक्सप्रेस के सामने कूदकर प्रेमी युगल ने दी जान, दोनों की हुई पहचान

अम्बेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र के सैरपुर उमरन गांव के पास खजुरी.करौंदी रेलवे क्रासिंग पर शनिवार दोपहर दून एक्सप्रेस ट्रेन के सामने कूदकर जान देने वाले प्रेमी युगल की पहचान हो गई है। दोनों जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के लाभापार गांव के रहने वाले थे। उनकी पहचान गुंजन पुत्री नंदलाल और चंदन पुत्र गुलाब चंद के रूप में हुई है। आधार कार्ड के अनुसार दोनों की उम्र 17 वर्ष है जबकि परिजनों के मुताबिक उनकी उम्र करीब 20 वर्ष थी। घटना की जानकारी मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर रेलवे क्रासिंग के पास पोल संख्या 890/09 के निकट दोनों ने दून एक्सप्रेस ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। ट्रेन की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद रेलवे ट्रैक के आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची मालीपुर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर उनकी पहचान कराने का प्रयास किया जिसके बाद दोनों की शिनाख्त लाभापार गांव निवासी गुंजन और चंदन के रूप में हुई।बताया जा रहा है कि चंदन मुंबई में रहता था और करीब एक सप्ताह पहले ही गांव आया था। दोनों के बीच लंबे समय से संबंध होने की बात सामने आ रही है। दोनों ने आखिर किन परिस्थितियों में यह आत्मघाती कदम उठाया इसका अभी पता नहीं चल सका है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो.रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

तेइस परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई च्च्ज् की प्रथम पाली की परीक्षा

अम्बेडकरनगर। शासन के निर्देशों के क्रम में रविवार को जनपद के 23 परीक्षा केंद्रों पर प्रात्रता 2026 की प्रथम पाली की परीक्षा निष्पक्ष पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा को सकुशल कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से सभी केंद्रों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। परीक्षा केंद्रों पर तैनात मजिस्ट्रेट लगातार भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे।उपजिलाधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा कक्षों अभ्यर्थियों के प्रवेश सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक इंतजामों की जानकारी ली। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने और शासन की गाइडलाइन के अनुसार सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।परीक्षा के दौरान प्रत्येक गतिविधि पर प्रशासन की कड़ी निगरानी रही। केंद्रों पर तैनात मजिस्ट्रेट एवं अन्य अधिकारियों ने निरंतर भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। प्रशासन की सतर्कता के चलते प्रथम पाली की परीक्षा जनपद के सभी 23 केंद्रों पर शुचितापूर्णए पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

अकबरपुर स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से सेवानिवृत्त दरोगा की मौत, पारिवारिक कलह की आशंका

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह जम्मूतवी एक्सप्रेस की चपेट में आने से सेवानिवृत्त दरोगा की मौत हो गई। हादसा प्लेटफार्म नंबर एक पर जीआरपी कार्यालय के सामने हुआ। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा.तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी व अकबरपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।जानकारी के अनुसार साबुन वाली गली मुरादाबाद निवासी इंद्र कुमार यादव ;65द्ध पुत्र शिव सहाय यादव उत्तर प्रदेश पुलिस में दरोगा के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। रविवार सुबह करीब 7.30 बजे वह अकबरपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंचे थे। इसी दौरान लखनऊ की ओर जा रही जम्मूतवी एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। ट्रेन से कटकर उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। हादसे की सूचना परिवार को मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के परिवार में तीन बच्चे हैं बेटा बबलू सीआरपीएफ में तैनात है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह की बात सामने आ रही हैए हालांकि घटना के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न



बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की अक्टूबर माह की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान शिक्षण-अधिगम गतिविधियों, विद्यालयों के नियमित अनुश्रवण, अवस्थापना सुविधाओं, स्मार्ट क्लास, शिक्षकों की उपलब्धता एवं बोर्ड परीक्षा की तैयारियों सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बीएसए ने बताया कि जनपद के विभिन्न विकास खंडों में शैक्षिक गुणवत्ता सुधारने की दिशा में सकारात्मक प्रयास किए गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि उपलब्ध आंकडों एवं विद्यालयवार शैक्षिक उपलब्धियों का विश्लेषण करते हुए कम प्रदर्शन वाले विद्यालयों की पहचान की जाए। ऐसे विद्यालयों में सुधार के लिए स्पष्ट लक्ष्य एवं समयसीमा निर्धारित करते हुए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। समयानुसार चार्ट बनाकर क्लास का संचालन किया जाये। जिन विद्यालयों में बच्चे कमजोर हो वहा पर विशेष ध्यान दिया जाये।

मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का भव्य आयोजन

बलरामपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में जिला प्रशासन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलरामपुर के सहयोग से रविवार, 01 नवंबर 2026 को जिला पंचायत भवन के सभागार में मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस मेगा शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को नि:शुल्क विधिक सहायता एवं उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाना तथा विभिन्न विभागों की सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना रहा।

प्रारम्भिक अर्हता (पीईटी) परीक्षा केन्द्र महिला पीजी कालेज का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण



बहराइच। परीक्षा नियंत्रक, उ.प्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा 01 नवम्बर को जनपद के 08 परीक्षा केन्द्रों पर दो-दो पालियों में आयोजित होने वाली प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पी.ई.टी.) की लिखित परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से परीक्षा के अन्तिम दिवस की प्रथम पाली में पूर्वान्ह 10:00 बजे से मध्यान्ह 12:00 बजे तक सम्पन्न होने वाली परीक्षा का जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्वत के साथ भ्रमणशील रहकर निरीक्षण किया। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केन्द्र महिला पीजी कालेज बहराइच का निरीक्षण कर नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से की गई व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया तथा मौके पर मौजूद सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा केन्द्र व्यवस्थापकों से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान डीएम व एसपी ने सीसीटीवी कैमरों के लिए स्थापित किये गये कन्ट्रोल रूम का अवलोकन परीक्षा कक्ष के अन्दर की व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया।जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा केन्द्र व्यवस्थापकों एवं ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा का संचालन निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूर्ण निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के साथ ही अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न होने पाए।

विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर लाभार्थियों को किया गया लाभान्वित



बहराइच। कार्यपालक अध्यक्ष, वरिष्ठ न्यायमूर्ति, उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच राजेश कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में कपूरथला स्थित उत्थान आडिटोरियम भवन, बहराइच में 'मेगा वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर' का सफल आयोजन किया गया।'मेगा वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर' कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच राजेश कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, बहराइच संजय कुमार-।, पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बहराइच, हरेन्द्र प्रसाद, मा. अध्यक्ष, जिला उपभोक्ता प्रतितोष, बहराइच सुरेश चन्द्र भारती, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक, बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवन्ता, मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दूबे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच विनोद कुमार यादव न्यायिक अधिकारीगण,प्रशासनिक अधिकारीगण, लाभार्थीगण उपस्थित रहें प्रशासनिक विभाग द्वारा लगाये गये स्टालों पर उनके कर्मचारीगण उपस्थित रहे। संचालन सुश्री प्रिया कुमारी राय, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, बहराइच व सुश्री रूपाली तिवारी, सिविल जज (अ.ख.)/एफ.टी.सी., बहराइच द्वारा किया गया। न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, राजेश कुमार सिंह द्वारा मेगा वृहद सहायता एवं सेवा शिविर के दौरान आयुष्मान व आभा, दिव्यांग पेंशन योजना, शहरी आवास योजना व स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी व विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, श्रम, व्यक्तिगत शौचालय, पारिवारिक लाभ योजना, निषादराज बोट योजना व मापेड विद आईस बाक्स योजना, कृषक दुर्घटा बीमा योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, अन्त्योदय राशन कार्ड, फार्मा कशीनरी एवं कृषि यन्त्र योजना, निराश्रित महिला अनुदान कौशल विकास योजना से सम्बन्धित लाभार्थियों एवं हिताधिकारियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाण-पत्र, टूल किट, डैमो चेक एवं गोल्डेन कार्ड, कृषि यंत्र इत्यादि का वितरण किया गया।

नवम्बर तक कर सकेगें कृषक भण्डारित आलू की निकासी- उद्यान अधिकारी

बहराइच। जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने बताया कि निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू के भण्डारण प्रभार पर अनुदान की योजना प्रदेश में आलू के भण्डारण प्रभार पर रु0 100/- प्रति कुन्तल की दर से अनुदान दिये जाने की योजना लागू की गई है। योजनान्तर्गत प्रति कृषक अधिकतम रु0 20.00 हजार का अनुदान देय होगा। योजना का क्रियान्वयन पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा तथा अनुदान की धनराशि लाभार्थी कृषक के आधार आधारित बैंक खाते में सीधे डी.बी.टी. के माध्यम से अन्तरित की जायेगी। प्रदेश में आलू विकास की उपरोक्त योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु नवीन पोर्टल पोटेटो डाट यूपी हर्टिकल्चर डाट इन पोर्टल पर विकसित किया गया है। जिस पर कृषक बन्धु पंजीकरण करते हुए पात्र होने पर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जनपद के कृषकों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में पोर्टल पर पंजीकरण कराते लाभ प्राप्त करें।

केबिन में फ ंसे चालक को निकालने के लिए तोड़ा शीशा

गोंडा। गोंडा-मनकापुर मार्ग पर वीरपुर चौराहे के पास शनिवार रात डंपर और डीसीएम की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में डंपर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि डंपर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद शीशा तोड़कर और केबिन काटकर उसे बाहर निकाला।

मोतीगंज निवासी सरबजीत सिंह (45) शनिवार रात डंपर लेकर गोंडा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गोंडा से मनकापुर की तरफ जा रही डीसीएम से वीरपुर चौराहे के पास उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और काफी प्रयास के बाद चालक को बाहर निकाला।

घायल चालक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काजीदेवर पहुंचाया गया।

बालरामलीला में नारद मोह और मनु-सतरूपा की लीला का मंचन

करनैलगंज, गोण्डा। सकरौरा ग्रामीण के मजरा छतईपुरवा स्थित ब्रह्मचारी बाबा स्थान पर आयोजित श्री बालरामलीला उत्सव में शनिवार की रात स्थानीय और बाहरी कलाकारों ने नारद मोह की लीला का भावपूर्ण मंचन किया। शुभारंभ गणपति वंदना के साथ हुआ। लीला में दिखाया गया कि हिमालय की तलहटी में रमणीक स्थान देखकर नारद मुनि समाधि में लीन हो गये। उनकी तपस्या भंग करने के लिए इंद्र ने कामदेव और अप्सराओं को भेजा लेकिन वे सफल नहीं हुए। इस पर नारद को अपनी तपस्या और कामदेव पर विजय का अहंकार हो गया। भक्त को अहंकार से बचाने के लिए भगवान विष्णु ने माया की नगरी और स्वयंवर की रचना की। नारद ने विवाह की इच्छा से भगवान से हरि स्वरूप मांगा लेकिन भगवान ने उन्हें वानर का रूप दे दिया। स्वयंवर में उपहास होने पर नारद ने भगवान विष्णु को पत्नी वियोग का शाप दे दिया।

नवनियुक्त किसान मोर्चा पदाधिकारियों को विधायक ने किया सम्मानित



करनैलगंज, गोण्डा। किसान मोर्चा गोण्डा के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने एकजुट होकर करनैलगंज विधायक अजय सिंह का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष देवेंद्र प्रताप दीक्षित सहित उपाध्यक्ष श्याम किशोर मिश्रा और रामकुमार मौर्य, जिला मंत्री सुरेंद्र प्रताप सिंह, अनूप मिश्रा, शिवम तिवारी, मनोज पांडेय, जितेंद्र मिश्रा, नंदकिशोर तिवारी, रोहित सिंह, सनोज अवस्थी और शाहिद, बृजेश जायसवाल तथा किसान मोर्चा के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और किसानों के हित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

एक नजर

कार की ठोकर से सात वर्षीय बच्ची घायल

गिरन्ट बाजार श्रावस्ती। थाना हरदत्तनगर गिरंट क्षेत्र के गिरंट बाजार में कार की टक्कर से सात वर्षीय बच्ची घायल हो गई। हादसे के बाद चालक कार समेत मौके से फरार हो गया। बच्ची के मामा इलियास अली ने थाने में तहरीर देकर बताया है कि उनकी सात वर्षीय भांजी फातिमा पुत्री यूनुस खान उनके घर के सामने गिरंट.बदला चौराहा मुख्य मार्ग के किनारे खेल रही थी। इसी दौरान मिर्जापुर चौराहे की ओर से बदला चौराहे जा रही तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर से फातिमा के सिर और शरीर पर चोटें आईं। परिजनों ने उसे निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया हैए जहां उसका इलाज चल रहा है।

खौलता हुआ तेल डालने के आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रावस्ती। भिनगा कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन स्थित निषाद राज ढाबे पर मारपीट रोकने की कोशिश कर रहे कारीगर पर हमलावरों ने कड़ाही में खौलता करीब तीन लीटर तेल डाल दिया। घटना में पंचराम सोनी ;28द्ध गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें संयुक्त जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया गया था। रविवार सुबह पुलिस ने मामले में तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। ढाबा प्रबंधक रामदुलारे निषाद निवासी पटना खरगौरा के मुताबिकए ढाबे पर कुछ ग्राहक खाना खा रहे थे। इसी दौरान सिसवा गांव के जगन्नाथ निषादए सिद्धनाथ निषाद और नीतीश कुमार उर्फधक्कड़ी 10 से 15 अन्य लोगों के साथ वहां पहुंचे। आरोप है कि सभी ने ढाबे पर मौजूद अनुराग शुक्ला सतीश शुक्ला और अजीत मिश्रा के साथ मारपीट शुरू कर दी। ढाबा प्रबंधक की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद और 10 से 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

बाप को एम.एल.सी ने दिया सहारा

गिरंट बाजार श्रावस्ती। श्रावस्तीध्बहराइच एम एल सी डाक्टर प्रज्ञा त्रिपाठी के बहराइच आवास पर पहुंचकर गुड्डू प्रधान बभनपुरवा ने अपने बेटे इन्तियाज अली को लेकर की मुलाकात करके अपने बेटे के इलाज के लिए सरकार से मदद दिलाने की गुहार लगाई। छोटी ग्राम पंचायत बभनपुरवा तीन मजरे की ग्राम सभा के ग्राम प्रधान गुड्डू का लड़का काफी दिनों से पैर से परेशान चल रहा जिसे लेकर लखनऊ इलाज के लिए प्रधान लेकर गये किन्तु आपरेशन की बात और लाखों रुपये खर्च की वजह से वह इलाज नहीं करवा पा रहे। बेटे की पीड़ा बर्दास्त न होने पर उन्होंने एमएलसी की चौखट पर पहुंचकर फरियाद लगाई जिसपर एम एल सी डाक्टर प्रज्ञा त्रिपाठी तुरन्त श्रावस्ती जिलाधिकारी को लेकर पैड लिखकर प्रधान को दिया और कहा हमारी भाजपा सरकार में कोई पैसे के लिए अपना इलाज करा पा रहा इसलिए सरकार ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन द्वारा बनवाकर पांच लाख तक इलाज के लिए सहायता प्रदान कर रही है।

मदरसा पढ़ने के लिए निकले दो बच्चे लापता

श्रावस्ती । इकौना थाना क्षेत्र में समगढ़ा चौराहे से मदरसे जा रहे दो बच्चे लापता हो गए। दोनों बच्चे मदरसे में पढ़ने के लिए घर से निकले थे। लापता बच्चों की पहचान 13 वर्षीय अजमत अली और 10 वर्षीय अबू सालिम के रूप में हुई है। दोनों के पिता का नाम जमशेद अली है।परिजनों के मुताबिकए बच्चे कल मदरसे जाने के लिए घर से निकले थे। इसके बाद से उनका पता नहीं चल पाया है। परिवार के लोग दोनों की तलाश कर रहे हैंए लेकिन अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है।

जुवली नेपाली ढावे का हुआ उद्घाटन



तुलसीपुर/बलरामपुर। बौद्ध परिपथ तुलसीपुर-बलरामपुर मार्ग पर टोल प्लाजा के निकट बडगों में नवनिर्मित जुवली नेपाली ढाबे का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। संचालक बृजेश सिंह व डाक्टर शरद प्रताप सिंह के वयोवृद्ध पिता योगेन्द्र सिंह व मां शैल सिंह की उपस्थिति में देवीपाटन मंदिर के महंत मिथिलेशनाथ योगी ने फीता काटकर तथा मंत्रोच्चार उपरांत नारियल फोड़कर ढाबे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, बुद्धिजीवियों एवं समाजसेवियों की बडी संख्या में उपस्थिति रही। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए महंत मिथिलेशनाथ योगी ने कहा कि मां पाटेश्वरी देवी मंदिर में प्रतिदिन बडी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। इनमें देश के दूर-दराज के क्षेत्रों के साथ ही पडोसी राष्ट्र नेपाल से आने वाले श्रद्धालु भी शामिल हैं। तुलसीपुर-बलरामपुर मार्ग पर यात्रियों एवं दर्शनार्थियों के लिए स्वच्छ जलपान, भोजन और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। ऐसे में जुवली नेपाली ढाबे

सूचना

सूच्य हो कि मैंने एलआईसी की पॉलिसी संख्या 227879728 में अपने पुत्र का नाम अंश प्रताप सिंह लिखवाया था जबकि मेरे पुत्र के आधार व स्कूल प्रमाण मे नाम आर्यन सिंह है अंश प्रताप सिंह व आर्यन सिंह दोनों नाम मेरे पुत्र के हैं एलआईसी की पॉलिसी संख्या 227879728 में मेरे पुत्र को अंश प्रताप सिंह उर्फ आर्यन सिंह के नाम से जाना जाए **भवदीय अभय कुमार सिंह ग्राम व पोस्ट धुनौली ठाकुरान रामसनेही घाट जिला बाराबंकी**

मंडल मुख्यालय से महज तीन किमी दूर पंडितपुरवा, आज भी बुनियादी सुविधाओं से महरूम

रेलवे लाइनों में घिरा गांव, बदहाल अंडरपास बना मुसीबत आरपीएफ कर्मियों पर अभद्रता और मारपीट के गंभीर आरोप

गोण्डा। देश की आजादी के 79 वर्ष बाद भी विकास की रोशनी हर गांव तक नहीं पहुंच सकी है। इसकी एक बानगी देवीपाटन मंडल मुख्यालय से महज दो किलोमीटर दूर स्थित धनौली का मजरा पंडितपुरवा है। करीब एक हजार की आबादी वाला यह गांव तीन तरफ से रेलवे लाइनों से घिरा है। सुरक्षित रास्ते का अभाव, बदहाल अंडरपास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी ने ग्रामीणों का जीवन दुश्वार कर रखा है। विडंबना यह है कि घर से बाहर निकलना भी यहां के लोगों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं। अब ग्रामीणों ने आरपीएफ के कुछ जवानों पर कथित उत्पीड़न, अभद्रता, धमकी और मारपीट के गंभीर आरोप लगाए हैं। हालात ऐसे हैं कि कुछ परिवार अपनी पुश्तैनी जमीन और घर छोड़कर दूसरी जगह बसने को मजबूर हो गए हैं।**अंडरपास ही एकमात्र रास्ता, वही बना मुसीबत**पंडितपुरवा के सामने सबसे बड़ा संकट सुरक्षित आवागमन का है। रेलवे लाइनों से घिरे गांव के लोगों के पास आने-जाने का कोई सुगम और सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग नहीं है। रेलवे की ओर से बनाया गया अंडरपास ही ग्रामीणों के आवागमन का प्रमुख सहारा है, लेकिन इसकी हालत बेहद खराब है। गर्मी के दिनों में भी पानी का रिसाव और जलभराव बना रहता है। बरसात में कीचड़, फिसलन और पानी के कारण रास्ता और खतरनाक हो जाता है। बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और मरीजों को इसी जोखिम भरे रास्ते से गुजरना पड़ता है। आपात स्थिति में गांव से बाहर निकलना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होता।**रेलवे की जमीन से गुजरना मजबूरी, आरपीएफ के व्यवहार से दहशत**ग्रामीणों का आरोप है कि रेलवे लाइनों और अंडरपास से होकर गुजरना उनकी मजबूरी है, लेकिन इसी मजबूरी का फायदा उठाकर आरपीएफ के कुछ जवान उन्हें परेशान करते हैं। आरोप है कि रास्ते से गुजरने पर रोक-टोक, अभद्रता, धमकी और कथित वसूली की कोशिश की जाती है। महिलाओं के साथ आने-जाने वाले ग्रामीणों को भी दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। लोकलाज और अपमान के भय से कई पीड़ित परिवार शिकायत करने से कतराते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे संपत्ति की सुरक्षा अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन इसकी आड़ में आम नागरिकों के सम्मान और अधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए।**उत्पीड़न की आशंका से पुश्तैनी घर छोड़ रहे परिवार**गांव की बदहाली और कथित उत्पीड़न का असर अब लोगों के सामाजिक जीवन पर भी पड़ने लगा है। ग्रामीणों के मुताबिक महेंद्र मिश्र, विक्की सहित कुछ दलित परिवारों के लोग गांव की दुश्वारियों से आजिज आकर अपने पुश्तैनी घर छोड़ चुके हैं। उन्होंने गांव से कुछ दूरी पर नया आशियाना बना लिया है। कई अन्य परिवार भी गांव छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। पीढ़ियों से बसे घर और अपनी मिट्टी को छोड़ने की मजबूरी इस बात का प्रमाण है कि पंडितपुरवा के लोगों की मुश्किलें अब किस हद तक बढ़ चुकी हैं।**होमगार्ड के बेटे की पिटाई, विवाहिता से अभद्रता का आरोप**

करीब 18 दिन पहले हुई एक घटना ने ग्रामीणों के आक्रोश को और बढ़ा दिया। गांव के समाजसेवी वीरेंद्र कुमार मिश्र के मुताबिक होमगार्ड प्रहलाद मिश्र के बेटे के साथ आरपीएफ कर्मियों ने कथित तौर पर मारपीट की और उसकी नवविवाहिता पत्नी के साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि युवक अपने आवागमन के रास्ते से गुजर रहा था, तभी रास्ते को लेकर विवाद हुआ और उसके साथ मारपीट की गई।ग्रामीणों का कहना है कि मारपीट के बाद युवक की हालत बिगड़ गई और उसे खून की उल्टियां होने लगीं। बरसात की उस काली रात में दर्जनों ग्रामीण उसे कंधों पर उठाकर किसी तरह अस्पताल ले गए। घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया। वीरेंद्र मिश्र ने इस कथित ज्यादती को अंग्रेजी हुकूमत के दौर की याद दिलाने वाला बताया है।ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के करीब एक पखवाड़े बीत जाने के बाद भी संबंधित आरपीएफ कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। इससे पीड़ित परिवार के साथ पूरे गांव में नाराजगी है। ग्रामीणों की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।**अधिकारियों को शिकायतें, जनप्रतिनिधियों के वादे भी बेअसर**ऐसा नहीं है कि ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को जिम्मेदार अधिकारियों तक नहीं पहुंचाया। गांव के वीरेंद्र कुमार मिश्र कई बार शिकायती पत्र देकर अधिकारियों को हालात से अवगत करा चुके हैं। चुनाव के दौरान जनप्रतिनिधियों और प्रत्याशियों ने ओवरब्रिज, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के वादे किए, लेकिन चुनाव बीतने के बाद गांव की सुध लेने कोई नहीं पहुंचा। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार उम्मीद जगाई जाती है, लेकिन समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं।**बच्चों की पढ़ाई से मरीजों के इलाज तक हर कदम पर संकट**अंडरपास में जलभराव और रास्ते की बदहाली का सबसे ज्यादा खामियाजा बच्चों और बीमार लोगों को भुगतना पड़ता है। बरसात में बच्चों का स्कूल पहुंचना मुश्किल हो जाता है। किसी की तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल पहुंचाने में भी काफी परेशानी होती है। सुरक्षित वैकल्पिक रास्ता नहीं होने से आपातकालीन परिस्थितियों में ग्रामीणों की चिंता और बढ़ जाती है। सवाल यह है कि रेलवे लाइनों से घिरे होने की सजा आखिर गांव के बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को कब तक भुगतनी पड़ेगी?

उत्पीड़न के डर से पुश्तैनी घर छोड़ रहे परिवार, होमगार्ड के बेटे की पिटाई और विवाहिता से दुर्व्यवहार का मामला भी नहीं सुलझा

अब निरीक्षण नहीं, ठोस समाधान और जवाबदेही की दरकारपंडितपुरवा की बदहाली विकास के दावों और जमीनी हकीकत के बीच की खाई उजागर कर रही है। एक तरफ देश आधुनिक रेल सुविधाओं और बुलेट ट्रेन की ओर बढ़ रहा है, वहीं मंडल मुख्यालय से चंद किलोमीटर दूर बसे ग्रामीण सुरक्षित रास्ते और सम्मानजनक जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं।ग्रामीणों की मांग है कि जिला प्रशासन और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी गांव का स्थलीय निरीक्षण कर स्थायी आवागमन मार्ग अथवा ओवरब्रिज निर्माण की दिशा में ठोस पहल करें। अंडरपास में जलनिकासी और पानी के रिसाव की समस्या दूर कराई जाए। गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही होमगार्ड के बेटे की पिटाई और विवाहिता से कथित अभद्रता सहित आरपीएफ कर्मियों पर लगाए गए अन्य आरोपों की निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।पंडितपुरवा का सवाल महज एक रास्ते का नहीं, बल्कि करीब एक हजार लोगों के जीवन, सम्मान और भविष्य का है। आजादी का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब हर नागरिक भयमुक्त होकर अपने घर से निकल सके, उसके बच्चे सुरक्षित स्कूल पहुंच सकें और बीमार व्यक्ति समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके। अब देखना यह है कि जिम्मेदारों की नजर पंडितपुरवा की बदहाली पर कब पड़ती है ।